केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 116 बुधवार 18 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

घर के भीतर मिला अधेड़ का शव



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के नकटीदेई गांव के तिनियहवा पुरवा में मंगलवार सुबह घर के अंदर 50 साल के दिग्विजय चौधरी का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की। मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। मंगलवार सुबह करीब सात बजे दिग्विजय चौधरी का शव घर के अंदर मिला। जानकारी होते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलने पर कप्तानगंज पुलिस सुबह करीब 10 बजे पहुंची और जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। टीम ने घर के अंदर बारीकी से जांच–पड़ताल की और जरूरी सबूत जुटाए। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हाईस्कूल–इंटर की परीक्षा के लिए बस्ती में बढ़े आठ नये केन्द्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हाईस्कूल और इंटर परीक्षा 2027 के लिए यूपी बोर्ड ने ऑनलाइन माध्यम से जिले में कुल 127 केंद्र निर्धारित किए थे। जिला विद्यालय निरीक्षक स्तर से प्राप्त आपत्तियों का परीक्षण और निस्तारण करते हुए जनपदीय केन्द्र निर्धारण समिति से अनुमोदित सूची यूपी बोर्ड की वेबसाइट पर छह नवंबर को ऑनलाइन अग्रसारित कर दी गई थी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज स्तर से सोमवार को प्रस्तावित परीक्षा केन्द्रों की सूची ऑनलाइन जारी कर दी गई। इसमें जनपद में आठ परीक्षा केन्द्र बढ़ गए हैं। अब जनपद में कुल परीक्षा केन्द्रों की संख्या 135 हो गई है। बोर्ड ने प्रस्तावित परीक्षा केंद्रों के आवंटन से जुड़ी शिकायतों के लिए दूसरे चरण की आपत्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तारीख 21 नवंबर 2026 तय की गई है।

पिछले साल की तुलना में बोर्ड से निर्धारित परीक्षा केंद्रों की संख्या में वृद्धि हुई है। 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट में पंजीकृत 74158 विद्यार्थियों के लिए 130 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इस बार आठ केंद्र बढ़ गए हैं। हालांकि आपत्तियां निस्तारण के बाद फाइनल सूची में केंद्रों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। बोर्ड ने प्रस्तावित परीक्षा केंद्रों के आवंटन पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए 21 नवंबर की तारीख तय की है। स्पष्ट किया है कि प्रस्तावित परीक्षा केंद्रों के आवंटन से जुड़ी आपत्तियां केवल संबंधित स्कूल के लॉगिन के माध्यम से ही स्वीकार की जाएंगी।

विशेष लोक अदालत 21 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कार्यपालक अध्यक्ष, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश शमसुल हक के मार्गदर्शन में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बस्ती के तत्वाधान 21 नवम्बर को एन. आई. एक्ट के अन्तर्गत प्रकरणों को निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का जनपद न्यायालय, बस्ती में किया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवेन्द्र कुमार–प्रथम ने बताया कि उक्त विशेष लोक अदालत में एन. आई.एक्ट से संबंधित प्री–लिटिगेशन से संबंधित एवं न्यायालयों में लम्बित वादों का निस्तारण किया जायेगा।

क्वाड रचनात्मक और भरोसेमंद साझेदारी



मनीला (आमा)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फिर तारीफ की है। क्वॉड सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब उनके पास खड़े थे तो उन्होंने कहा कि एक एक सख्त व्यक्ति हैं। इसके बाद ट्रंप ने जापानी प्रधानमंत्री साना टाका इची की ओर इशारा किया और कहा, 'और वह शायद और भी सख्त हो सकती हैं।'

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि मीटिंग से क्वाड मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि ये मुलाकात आगे की बुनियाद मजबूत करेगा। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची शामिल हो रहे हैं।

क्वॉड नेताओं के साथ बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के लिए, क्वाड एक रचनात्मक और भरोसेमंद साझेदारी है। समुद्री सुरक्षा से लेकर भरोसेमंद सप्लाई चेन तक, नई तकनीकों से लेकर आपदा प्रबंधन तक, हमारी यही कोशिश रही है कि क्वॉड भरोसेमंद समाधान प्रदान करे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप सभी से मिलकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मनीला और क्वॉड के बीच एक पुराना और खास रिश्ता रहा है। साल 2007 में, चारों देशों के अधिकारी पहली बार यहीं मिले थे। इसके 10 साल बाद, 2017 में, इसी शहर में हमने फिर से बातचीत शुरू की। उन्होंने आगे कहा कि आज, इस ऐतिहासिक शहर में एक बार फिर क्वॉड की बैठक होना एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। पिछले साल जनवरी से लेकर अब तक, हमारे विदेश मंत्री 5 बार मिल चुके हैं। यह हमारी राजनीतिक इच्छाशक्ति और हमारी साझेदारी के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

क्वाड समूह का गठन 2007 में किया गया था, लेकिन चीन के नाराज होने की आशंकाओं के बीच अगले ही साल इसकी गतिविधियां लगभग ठप पड़ गई थीं। ट्रंप ने 2017 में हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते आर्थिक, कूटनीतिक और सैन्य प्रभाव को लेकर चिंताओं के मद्देनजर इस समूह को फिर सक्रिय किया। हालांकि, उनके उस कार्यकाल में क्वाड नेताओं का कोई शिखर सम्मेलन नहीं हुआ था। मनीला में हो रही बैठक अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप के मौजूदा कार्यकाल के दौरान क्वाड नेताओं की पहली बैठक है।

ट्रंप के 20 जनवरी, 2025 को दूसरी बार राष्ट्रपति पद संभालने के बाद से क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की पांच बार बैठक हो चुकी है।

गोपाष्टमी पर हुआ गौ पूजन, गौसेवा का लिया संकल्प



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गोपाष्टमी के पर्व पर मंगलवार को जिला अस्पताल चौराहा स्थित स्वर्गीय नंदा बाबा मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा स्थल पर सनातन धर्म चेतना चैरिटेबल ट्रस्ट परि० के द्वारा श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ गौ पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि–विधान से गौमाता का पूजन–अर्चन कर सुख, समृद्धि एवं लोककल्याण की कामना की।

कार्यक्रम संयोजक राजेश मिश्र ने कहा कि गोपाष्टमी भारतीय सनातन संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है। गौमाता की सेवा और संरक्षण हमारी धार्मिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी है, गौमाता हमारी धार्मिक आस्था, कृषि परंपरा और ग्रामीण जीवन का अभिन्न अंग हैं। गौसेवा केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन के व्यवहार में भी अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि निराश्रित एवं असहाय गोवंश की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण समाज के प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। गौमाता की पूजा तभी सार्थक होगी, जब हम उनकी सेवा और सुरक्षा के लिए भी आगे आएंगे।

आचार्य वेद प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि सनातन धर्म में गौमाता को विशेष पूजनीय स्थान प्राप्त है। भारतीय ऋषि–मुनियों ने गौसेवा को पुण्य एवं लोककल्याण का माध्यम बताया है। गोपाष्टमी का पर्व हमें भगवान श्रीकृष्ण के गोपाल स्वरूप का स्मरण कराता है। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन गोसेवा, प्रकृति प्रेम और करुणा का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को गोवंश के प्रति संवेदनशील रहते हुए उनकी सेवा एवं संरक्षण में अपना योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान गौमाता को तिलक लगाकर, पुष्पमाला पहनाकर एवं आरती उतारकर विधिवत पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने गौमाता को गुड़, हरा चारा एवं अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्रीमद्भागवत कथा स्थल पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं में हर्षित पाण्डेय मुख्य यजमान, जगरामनाथ, महाराज गोलू, आदित्य, सर्वेश, अजय दुबे आदि ने गौसेवा के साथ सनातन संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लिया।

पूर्व मंत्री रामकरन आर्य का सपा नेताओं, कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी, (बस्ती)। मंगलवार को महादेवा विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री रामकरन आर्य का पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा जगह–जगह फूल–मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। उनके आगमन को लेकर सपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत करते हुए फूल–मालाओं से लाद दिया।

पूर्व मंत्री रामकरन आर्य का स्वागत कार्यक्रम सोनूपार, महसो, ठेकनापार, पाकरडांड, धरौली, बोकनार, महादेवा, पगार खास, बनकटी और देईसांड सहित विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया गया। हर पड़ाव पर बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि और समर्थक मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का परिचय देते हुए उनका जोरदार अभिनंदन किया।

इस दौरान जगह–जगह स्वागत करने पहुंचे कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह नजर आया। फूल–मालाओं से स्वागत के साथ ही लोगों ने पूर्व मंत्री के प्रति अपना सम्मान और समर्थन व्यक्त किया। विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने कार्यक्रम को उत्साहपूर्ण बना दिया।

स्वागत कार्यक्रम के दौरान प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र यादव, विजय विक्रम आर्य, गजानन पाल, अमर अग्रहरि, पन्नेलाल यादव, राजेश यादव, देवनाथ यादव, रामधनी यादव, वीरेंद्र यादव, महेंद्र यादव, जयप्रकाश चौधरी, रामकिशुन चौधरी, झिनकू सिंह, संदीप यादव, मो0 अकरम, दुर्गेश, सूर्यपाल यादव, सभाजीत यादव, प्रभाकर पाल, हरिराम पाल, सतीश अग्रहरि, राजेंद्र अग्रहरि, मनीष अग्रहरि, धर्मेंद्र, सतराम वर्मा, विजय, हृदयराम, परमात्मा यादव सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। महादेवा विधानसभा क्षेत्र में पूर्व मंत्री के स्वागत को लेकर कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बना रहा।

मतदेय स्थलों पर 4 दिन चलेगा विशेष अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती कृतिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता दिनांक 01.01.2027 के आधार पर निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन सूची मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को कलेक्ट्रेट सभागार में उपलब्ध करायी गयी।

बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया गया है। उन्होने बताया कि दावें और आपत्तिया दिनांक 17 नवम्बर से 16 दिसम्बर 2026 तक प्राप्त की जायेंगी। प्राप्त दावे और आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसम्बर 2026 तक किया जायेंगा तथा निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन 04 जनवरी 2027 को किया होगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिन अर्ह नागरिको का नाम मतदाता सूची में दर्ज नही है, वे फार्म–6 भरकर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के पास जमा कर सकते है। मतदाता सूची में दर्ज प्रविष्टियों में संशोधन, नाम एवं अन्य विवरणों में त्रुटि सुधार, फोटो पहचान पत्र के प्रतिस्थापन तथा दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हींकन के लिए फार्म–8 और अपमार्जन की कार्यवाही के लिए फार्म–07 भरकर जमा किया जा सकता है।

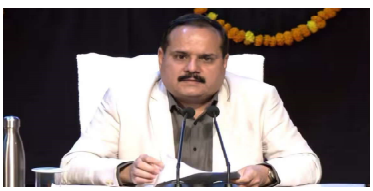


उन्होने कहा कि 21, 22, 28 एवं 29 नवम्बर 2026 को जनपद के प्रत्येक मतदेय स्थल पर विशेष अभियान चलाया जायेंगा। इन तिथियों में बूथ लेवल अधिकारी अपने–अपने मतदेय स्थल पर उपस्थित रहेंगे तथा मतदाता पंजीकरण के लिए फार्म–6, 7 एवं 8 पर्याप्त संख्या में उपलब्ध रहेंगे। आवेदन करने वाले पात्र नागरिको को नवीनतम फोटो तथा जन्मतिथि एवं पते संबंधित आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने होंगे।

उन्होने यह भी बताया कि मतदाता सूची में पंजीकरण कराने या किसी भी प्रकार की प्रविष्टि में संशोधन के लिए आनलाईन माध्यम से आयोग के ऐप ECINET mobile app एवं वेबसाइट https://voters.eci.gov.in के माध्यम से भी फार्म–6, 7 एवं 8 सम्मिट किया जा सकता है। पुनरीक्षण से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए जनपद स्तर पर स्थापित किए गये डिस्ट्रिक्ट कांटेक्ट सेण्टर (डीसीसी) के टोल फ्री नम्बर –1950 पर काल कर के प्राप्त किया जा सकता है।

जिलाधिकारी ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिको से अपील किया है कि वे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में सकिय सहभागिता निभायें तथा पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने में सहयोग करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनंदू सुधाकरन, सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें। इसके उपरान्त जिलाधिकारी द्वारा जिला निर्वाचन कार्यालय, सदर तहसील स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया।

ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी, सात महीने में यूपी में बढ़े 19 लाख नए मतदाता



लखनऊ (आमा)। यूपी में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) की ड्राफ्ट मतदाता सूची मंगलवार को जारी कर दी गई। एसआईआर से अब तक यानी सात महीने में करीब 19 लाख मतदाताओं का नाम सूची में जुड़ा है। इससे प्रदेश में वोटरों की संख्या अब 13. 58 करोड़ हो गई है। हालांकि जनसंख्या के अनुपात में अब भी 2. 58 करोड़ वोटरों का नाम मतदाता सूची से गायब हैं। ऐसे में नाम जोड़ने का अभियान अगले एक महीने तक चलता रहेगा। यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा द्वारा आंकड़े जारी करने के साथ ही यह भी कहा कि अंतिम वोटर सूची जारी होने के बाद भी नाम जोड़ने की प्रक्रिया जारी रहेगी।

सीईओ नवदीप रिणवा ने बताया कि 'पापुलेशन प्रोजेक्शन ऑफ इंडिया एंड स्टेट' के आधार पर यूपी में 18 वर्ष से अधिक उम्र की अनुमानित जनसंख्या 16.16 करोड़ है, जबकि ड्राफ्ट सूची में 13.58 करोड़ वोटर ही दर्ज हैं। इस तरह ढाई करोड़ से अधिक लोगों के नाम जुड़ना अभी बाकी है।

उन्होंने बताया कि राज्य में महिलाओं की आबादी 7.84 करोड़ है, जबकि सूची में 6.20 करोड़ महिलाएं ही शामिल हैं। यानी 1.64 करोड़ महिलाओं के नाम वोटर सूची में नहीं हैं। इसी तरह 8.32 करोड़ पुरुष आबादी के मुकाबले सूची में 7.38 करोड़ पुरुष दर्ज हैं। ऐसे में 94.17 लाख पुरुष अभी सूची से बाहर हैं। इसी तरह 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग की कुल आबादी 84.47 लाख है, लेकिन सूची में केवल 11. 83 लाख युवाओं के नाम हैं। यानी 72.63 लाख नए युवा मतदाता अभी सूची से दूर हैं।

आंकड़ों के तुलनात्मक विश्लेषण से स्पष्ट है कि 10 अप्रैल को जारी विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की अंतिम सूची में 13.39 करोड़ वोटर थे, जो पिछले सात महीनों में बढ़कर 13.58 करोड़ हो गए हैं। इस अवधि में कुल 19 लाख नए मतदाता जुड़े हैं। राहत की बात यह है कि पुरुषों (7.87 लाख की वृद्धि) की तुलना में महिला मतदाताओं (10.96 लाख की वृद्धि) की संख्या अधिक बढ़ी है। इसके परिणामस्वरूप राज्य का जेंडर रेशियो 834 से बढ़कर 840 और ईपिक (म्ब्ध्) रेशियो 55.17 से बढ़कर 55.95 हो गया है।

सीईओ ने बताया कि 18 और 19 वर्ष की संख्या इसलिए इतनी कम दिख रही है क्योंकि पहले जो 18 साल के थे अब वह 19 और जो 19 साल के थे वह 20 साल के हो गए हैं। जब चार जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची आएगी तो एक जनवरी 2027 को 18 साल की आयु पूरी करने वाले मतदाता बढ़ेंगे और इसकी भरपाई होगी। तब जो अभी 17 साल के हैं तो वह बढ़ जाएंगे। ऐसे में 18 से 19 वर्ष वाले जो अभी 72.63 लाख कम दिख रहे हैं उनकी भरपाई हो जाएगी। फर्स्ट टाइम वोटरों को जोड़ने को अभियान चलेगा।

निर्वाचन आयोग ने छूटे हुए पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल करने के लिए दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दावे और आपत्तियां आज मंगलवार 17 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक चलती रहेगी।

गोविन्दनगर चीनी मिल के आन्दोलित श्रमिकों, किसानों से मिले रालोद प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह ने मंगलवार को वाल्टरगंज स्थित गोविन्दनगर चीनी मिल पहुंचकर लंबे समय से आन्दोलन कर रहे मिल कर्मचारियों और किसानों से मुलाकात किया। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं और उनके संघर्ष में साथ देने का भरोसा दिलाया। मिल क्षेत्र में पहुंचने पर कर्मचारियों, किसानों और स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। ऐश्वर्य राज सिंह ने कहा कि गोविन्दनगर चीनी मिल को फिर से चलाये जाने, श्रमिकों, गन्ना किसानों का बकाया भुगतान कराने के लिये उनका हर संभव प्रयास जारी रहेगा।

रालोद प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह ने कहा कि वाल्टरगंज चीनी मिल के कर्मचारियों और किसानों के साथ उनका जुड़ाव काफी पुराना है। उनका संघर्ष किसी पद पर रहने तक सीमित नहीं रहा है। मिल गेट पर धरने से लेकर जिला प्रशासन, मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह के सामने भी कर्मचारियों की समस्याओं को उठाते रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इतने वर्षों से संघर्ष कर रहे कर्मचारियों और किसानों के चेहरों पर आज भी उम्मीद दिखाई दे रही है। यह देखकर उन्हें संतोष हुआ। वाल्टरगंज चीनी मिल केवल एक औद्योगिक इकाई नहीं है, बल्कि इससे हजारों परिवारों की रोजी–रोटी जुड़ी हुई है। मिल चलने से पूरे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिल सकती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कर्मचारियों और किसानों का संघर्ष जल्द सफल होगा और उन्हें उनका हक मिलेगा। साथ ही वाल्टरगंज चीनी मिल की पुरानी रौनक एक बार फिर लौटेगी।

इस दौरान राधेश्याम चौधरी, सुनील पाण्डेय, अजय सिंह, विवेक चौधरी, रवि तिवारी, अमरनाथ चौधरी, सौरभ रायल, बब्बू खान, अतुल सिंह, रंजीत सिंह, रहमान खान, ऋषि सिंह, मन्नू सिंह, राजेश सिंह, शिवा पटवा और चंद्रभूषण सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

–बंद चीनी मिल को चलाने, बकाया भुगतान दिलाने के लिये जारी है प्रयास-ऐश्वर्य राज सिंह

खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी का स्थानान्तरणः शिक्षकों ने दिया विदाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बस्ती सदर की ओर से मंगलवार को खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी का आजमगढ में स्थानान्तरण के बाद ब्लॉक संसाधन केंद्र डिलिया में शिक्षकों द्वारा विदाई दी गई। कार्यक्रम का संयोजन सदर अध्यक्ष शैल कुमार शुक्ल ने किया। संचालन संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजेश कुमार पाण्डेय ने किया।

सदर अध्यक्ष शैल कुमार शुक्ल ने कहा कि स्थानांतरण सेवाकाल का एक स्वाभाविक अंग है। अधिकारी एवं कर्मचारी अपने सेवाकाल में विभिन्न स्थानों पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं, लेकिन अपने कार्यव्यवहार, सहयोग एवं आत्मीयता से लोगों के हृदय में विशेष स्थान बना लेते हैं।

संघ जिला अध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने विनोद कुमार त्रिपाठी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

विदाई समारोह के दौरान समागार में उपस्थित शिक्षक–शिक्षिकाओं के



बीच अपने अधिकारी के प्रति सम्मान, सद्भावना और आत्मीय स्नेह का भाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने विनोद कुमार त्रिपाठी को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा और शिक्षकों का उत्थान उनकी प्राथमिकता है। स्थानान्तरण एक स्वाभाविक प्रक्रिया है।

यह जानकारी देते हुये प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि कार्यक्रम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्ण बहादुर पाल, कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल भारती, उपाध्यक्ष सचिन शुक्ल, अरविंद, योगेन्द्र शुक्ल, प्रवीण पाण्डेय, आशुतोष शुक्ला, कृष्ण कुमार, श्रीमती रुक्मिणी पाण्डेय, श्रीमती महारानी लाल कुंवरि, आनन्द शुक्ल, कार्यालय सहायक मनीष कुमार, राजेश कुमार, श्रीमती दिव्या पाठक, वीरेंद्र श्रीवास्तव, अब्दुल सहित ब्लॉक के अनेक गणमान्य शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 18 नवम्बर 2026 बुधवार

सम्पादकीय

दवा के नाम पर लूट

किसी बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति और उसके परिजनों के लिए सबसे बड़ी चिंता मरीज का जीवन बचाना होती है। ऐसे समय में दवाओं की कीमत, उनकी वास्तविक लागत और अस्पताल द्वारा वसूल जा रहे मुनाफे का हिसाब लगाना उसकी प्राथमिकता नहीं रह जाता। इसी मजबूरी का फायदा उठाकर दवा कंपनियों और निजी अस्पतालों के बीच ऐसा कारोबार फल—फूल रहा है, जिसमें मरीज की जेब पर सबसे अधिक बोझ पड़ता है।

दवाओं और चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं की कीमतों में भारी अंतर का मामला अब सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच चुका है। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में स्वीकार किया है कि अस्पताल मरीजों से दवाओं व चिकित्सा सामग्री पर बहुत अधिक व्यापारिक मुनाफा वसूलते हैं।

सरकार के हलफनामे के मुताबिक, कुछ कैंसररोधी दवाओं पर 170 से 700 फीसद या इससे अधिक तक व्यापारिक मुनाफा वसूला जा रहा है। इसी तरह अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली चिकित्सा सामग्री पर यह मुनाफा 100 से 1,000 फीसद या इससे अधिक तक है। सरकार ने यह भी स्वीकार किया है कि अस्पताल कई बार उन दवाओं और चिकित्सा वस्तुओं को खरीदने में प्राथमिकता देते हैं, जिन पर अधिक मुनाफा मिलता है और जिनका अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) ऊंचा होता है।

बाद में मरीज से वही कीमत वसूली जाती है। विडंबना यह है कि देश में सस्ती दवाएं बनाने वाली कंपनियां मौजूद हैं, लेकिन मरीजों को उन्हीं दवाओं के लिए वास्तविक खरीद लागत से कहीं अधिक भुगतान करना पड़ता है। इस मनमानी की सबसे बड़ी वजह मरीज और अस्पताल के बीच जानकारी तथा मोलभाव करने की क्षमता का असमान होना है। मरीज को न तो दवाओं की वास्तविक कीमत मालूम होती है और न ही उनके सस्ते विकल्पों की जानकारी।

अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई बार उसे परिसर में ही स्थित दुकान से दवाएं और चिकित्सा सामग्री खरीदने के लिए बाध्य होना पड़ता है। बाहर से दवा लाने पर गुणवत्ता या प्रामाणिकता का सवाल उठाया जाता है। गंभीर बीमारी के दौरान मरीज और उसके परिजन अस्पताल से बहस करने का साहस भी नहीं जुटा पाते। उन्हें आशंका रहती है कि कहीं इसका असर इलाज पर न पड़े। ऐसे में वे बिल में दर्ज हर रकम चुपचाप चुकाने को मजबूर होते हैं।

दवाओं की कीमतों का यह मामला सर्वोच्च न्यायालय में उठने के बाद सरकार पर व्यापक नियमन की व्यवस्था बनाने का दबाव बढ़ा है। अदालत ने दवाओं के खुदरा मूल्य और उन्हें विक्रेताओं को उपलब्ध कराने की कीमत के बीच बड़े अंतर पर सवाल उठाए हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी पूछा कि जब कुछ दवाओं पर व्यापारिक मुनाफा सीमित किया जा सकता है, तो दूसरी जरूरी दवाओं और चिकित्सा सामग्री के मामले में ऐसा क्यों नहीं हो सकता।

अदालत ने सभी दवाओं पर समान रूप से 16 फीसद मुनाफा निर्धारित करने की संभावना पर भी सरकार से विचार करने को कहा। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि वह संबंधित पक्षों से बातचीत करके उचित हस्तक्षेप की तैयारी कर रही है। हालांकि, सरकार ने इस दिशा में कुछ कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने 137 गैर—अनुसूचित कैंसररोधी दवाओं पर व्यापारिक मुनाफा 30 फीसद तक सीमित करने की अधिसूचना जारी की है। संशोधित कीमतें नौ नवंबर 2026 से लागू होनी हैं। इससे संबंधित दवाओं की कीमतों में मौजूदा मूल्य संरचना के अनुसार 70 फीसद तक कमी आने की उम्मीद है।

मगर सवाल है कि राहत का दायरा केवल कैंसर की कुछ दवाओं तक ही क्यों सीमित रहे? हृदय रोग, मधुमेह और दूसरी गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं तथा चिकित्सा सामग्री की कीमतों पर भी प्रभावी निगरानी जरूरी है। दवा कंपनियों और चिकित्सकों के बीच संबंधों को लेकर भी लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। आरोप लगते हैं कि कुछ दवा कंपनियां चिकित्सकों को उपहार, यात्राओं और अन्य सुविधाओं के जरिए अपने ब्रांड की दवाएं लिखने के लिए प्रभावित करती हैं।

इससे महंगी दवाओं को प्राथमिकता मिलने और मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने की आशंका रहती है। हालांकि, ऐसे आरोपों को बिना जांच के सामान्य प्रवृत्ति नहीं माना जा सकता, लेकिन इस क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की जरूरत से इनकार भी नहीं किया जा सकता। इस समस्या का सामाजिक पक्ष भी बेहद गंभीर है। वर्ष 2020 में तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने बताया था कि इलाज पर होने वाले खर्च के कारण हर साल लगभग 6.3 करोड़ परिवार गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं।

यह उस समय का आंकड़ा है, लेकिन इससे स्वास्थ्य खर्च और आर्थिक बदहाली के बीच संबंध का अंदाजा लगाया जा सकता है। मरीज के इलाज के लिए परिवार अपनी जीवन भर की बचत खर्च कर देते हैं। कई बार घर, खेत और जेवर तक गिरवी रखने या बेचने पड़ते हैं। बीमारी से उबरने के बाद भी कर्ज का बोझ लंबे समय तक परिवार का पीछा करता है। इससे निपटने के लिए एक प्रभावी उपाय मेडिकल बिल आडिट की व्यवस्था हो सकती है।

मरीजों को यह अधिकार मिलना चाहिए कि वे अपने अस्पताल के बिल की विशेषज्ञों से जांच करा सकें। यदि किसी दवा या चिकित्सा सामग्री के मूल्य में अनुचित अंतर पाया जाए, तो संबंधित अस्पताल से जवाब मांगा जाए और अतिरिक्त वसूली की स्थिति में मरीज को रकम लौटाई जाए। आज जब अस्पतालों में जांच रिपोर्ट, चिकित्सकीय परामर्श और मरीजों का पूरा विवरण आनलाइन उपलब्ध कराया जा रहा है, तो बिलों को भी इसी तरह डिजिटल रूप में तैयार करना मुश्किल नहीं होना चाहिए।

सरकार एक ऐसा साझा आनलाइन पोर्टल बना सकती है, जिस पर अस्पतालों के प्रत्येक मरीज का बिल, दवाओं, जांच और चिकित्सा सामग्री का पूरा विवरण स्वतरू दर्ज हो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से इन बिलों की जांच की जा सकती है। जहां दवाओं की खरीद कीमत और मरीज से वसूली गई रकम में असामान्य अंतर दिखाई दे, वहां संबंधित अस्पताल की जांच हो। इस व्यवस्था में मरीज की निजता और स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों की सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। सरकारी एजेंसियां आकस्मिक जांच के जरिए यह सुनिश्चित कर सकती हैं कि अस्पतालों में मनमानी वसूली न हो। यह सही है कि निजी अस्पतालों को बेहतर सुविधाओं, प्रशिक्षित कर्मचारियों, दवाओं के भंडारण और आपूर्ति पर खर्च करना पड़ता है। मगर इन खर्चों की आड़ में मनमाने मुनाफे को उचित नहीं ठहराया जा सकता। सरकार को ऐसा संतुलित नियमन बनाना होगा, जिससे अस्पतालों की सेवाएं और दवाओं की उपलब्धता प्रभावित हुए बिना मरीजों को राहत मिले। इसके लिए दवा निर्माता कंपनियों, अस्पतालों, चिकित्सकों और मरीज संगठनों से विचार—विमर्श जरूरी है।

सटीक जनसंख्या आँकड़ों के बिना सफलता अधूरी



— डॉ. सत्यवान सौरभ—



किया और तथा विकास में रोजगार

लोकतंत्र में शासन की सफलता केवल योजनाएँ बनाने और बजट आवंटित करने से सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि इस बात से तय होती है कि सरकार की नीतियाँ समाज की वास्तविक आवश्यकताओं को कितना समझती हैं। किसी की जनसंख्या कितनी है, उसमें बच्चों, महिलाओं बुजुर्गों युवाओं और विभिन्न सामाजिक समूहों की हिस्सेदारी क्या है, कितने लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं और कितने शहरी क्षेत्रों में, कितने परिवार गरीबी, अशिक्षा तथा बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैंकृ इन सभी प्रश्नों का व्यवस्थित उत्तर जनगणना से मिलता है। इसलिए जनगणना केवल लोगों की गिनती करने की प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक वास्तविकताओं को समझने का सबसे व्यापक माध्यम है।

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और बहुस्तरीय समाज में विश्वसनीय जनगणना आँकड़ों का महत्त्व और भी बढ़ जाता है। वर्ष 2011 के बाद प्रस्तावित जनगणना 2027 इसलिए ऐतिहासिक महत्त्व रखती है, क्योंकि इसके माध्यम से देश को लंबे अंतराल के बाद नई जनसांख्यिकीय तस्वीर प्राप्त होगी। डिजिटल तकनीक, ऑनलाइन डेटा संग्रह और वास्तविक समय में निगरानी जैसी व्यवस्थाएँ इस प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम हैं। लेकिन तकनीक का इस्तेमाल तभी सार्थक होगा, जब आँकड़ों की शुद्धता, निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो।

विश्वसनीय जनगणना का पहला और सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन है। भारत में खाद्य सुरक्षा, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी अनेक योजनाएँ जनसंख्या संबंधी आँकड़ों पर निर्भर करती हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत लाभार्थियों की पहचान हो या प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवासीय आवश्यकताओं का आकलन, सटीक आँकड़े नीति निर्माण की बुनियाद तैयार करते हैं। यदि जनगणना में किसी क्षेत्र की आबादी कम दर्ज होती है, तो वहाँ वास्तविक आवश्यकता के अनुपात में संसाधन नहीं पहुँच पाते। इसका सबसे अधिक नुकसान गरीबों, प्रवासी श्रमिकों, बेघर लोगों और वंचित समुदायों को उठाना पड़ता है।

दूसरा महत्त्वपूर्ण पक्ष संसाधनों का न्यायसंगत वितरण है। सरकार को यह तय करना होता है कि कहाँ नए विद्यालय खोले जाएँ, किन क्षेत्रों में अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की आवश्यकता है, कहाँ सड़क, पेयजल और परिवहन सुविधाओं का विस्तार और कौशल विकास कार्यक्रमों को प्राथमिकता मिले। उदाहरण के लिए, तेजी से बढ़ती शहरी आबादी वाले क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन, आवास और स्वच्छता सुविधाओं की माँग अधिक होती है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं, कृषि आधारित आधारभूत संरचना और शिक्षा की विशेष आवश्यकता हो सकती है। जनगणना के विश्वसनीय आँकड़े इन प्राथमिकताओं को निर्धारित करने में सहायता करते हैं।

जनगणना का लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व से भी गहरा संबंध है। लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया में जनसंख्या संबंधी आँकड़ों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। जनसंख्या में होने वाले बदलावों को समझे बिना राजनीतिक प्रतिनिधित्व में संतुलन स्थापित करना कठिन है। इसी प्रकार वित्त आयोग को राज्यों के बीच वित्तीय संसाधनों के वितरण संबंधी सिफारिशें तैयार करने में जनसांख्यिकीय तथ्यों सहित अनेक मानकों का सहारा लेना पड़ता है। इस प्रकार जनगणना के आँकड़े केवल प्रशासनिक सुविधा नहीं, बल्कि संघीय व्यवस्था और लोकतांत्रिक संतुलन के भी आधार हैं।

हालाँकि, विश्वसनीय जनगणना सुनिश्चित करना आसान कार्य नहीं है। भारत की भौगोलिक विविधता, विशाल जनसंख्या, सामाजिक विषमताएँ और तेजी से बदलती जीवनशैली इसके सामने अनेक चुनौतियाँ प्रस्तुत करती हैं। सबसे बड़ी चुनौती जनसंख्या की सही गणना सुनिश्चित करना है। प्रवासी श्रमिक, बेघर नागरिक, घुमंतू समुदाय, दूरदराज के आदिवासी समूह और अस्थायी रूप से रहने वाले लोग अक्सर गणना की प्रक्रिया से छूट सकते हैं। महानगरों में काम की तलाश में आने वाले श्रमिकों का निवास अस्थायी होता है। ऐसे लोगों की सही गणना और उपयुक्त स्थान पर उनका पंजीकरण एक जटिल प्रशासनिक चुनौती है। यदि ये समूह आँकड़ों से बाहर रह जाते हैं, तो उनकी वास्तविक समस्याएँ भी नीतिगत प्राथमिकताओं में पीछे छूट सकती हैं।

दूसरी चुनौती डिजिटल असमानता है। जनगणना में मोबाइल एप्लीकेशन, डिजिटल उपकरणों और ऑनलाइन निगरानी का उपयोग प्रक्रिया को तेज तथा व्यवस्थित बना सकता है, लेकिन देश के सभी क्षेत्रों में डिजिटल सुविधाएँ समान रूप से उपलब्ध नहीं हैं। इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी, बिजली की अनियमित आपूर्ति, तकनीकी उपकरणों की अनुपलब्धता और डिजिटल साक्षरता का अभाव दूरस्थ ग्रामीण एवं पहाड़ी क्षेत्रों में कठिनाइयाँ पैदा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, तकनीकी प्रणाली में गड़बड़ी या डेटा अपलोड करने में त्रुटि भी आँकड़ों की गुणवत्ता प्रभावित कर सकती है।

तीसरी चुनौती मानवीय और प्रशासनिक त्रुटियों से जुड़ी है। जनगणना का बड़ा हिस्सा गणनाकर्मियों द्वारा घर—घर जाकर जानकारी एकत्र करने पर आधारित होता है। यदि गणनाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण न मिले या प्रश्नों की व्याख्या में एकरूपता न हो, तो गलत जानकारी दर्ज हो सकती है। कई बार उत्तरदाता भी सामाजिक संकोच, जानकारी के अभाव अथवा सरकारी लाभ प्रभावित होने की आशंका के कारण सही जानकारी देने से बचते हैं। भाषा, स्थानीय बोलियों और सामाजिक परिस्थितियों की विविधता इस समस्या को और जटिल बनाती है।

इसके साथ ही निजता और व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा का प्रश्न भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। डिजिटल युग में नागरिकों के मन में यह आशंका हो सकती है कि उनके द्वारा दी गई व्यक्तिगत जानकारी का दुरुपयोग किया जाएगा। यदि लोगों को यह विश्वास नहीं होगा कि उनकी जानकारी सुरक्षित और गोपनीय रहेगी, तो वे जनगणना में सहयोग करने से हिचक सकते हैं। इसलिए डेटा सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि जनगणना की विश्वसनीयता से जुड़ा सामाजिक और लोकतांत्रिक प्रश्न भी है।

इन चुनौतियों के समाधान के लिए सबसे पहले गणनाकर्मियों का व्यापक और व्यावहारिक प्रशिक्षण आवश्यक है। उन्हें स्थानीय भाषा, सामाजिक संरचना, प्रश्नावली और डिजिटल उपकरणों के इस्तेमाल की समुचित जानकारी दी जानी चाहिए। दूसरा, वास्तविक समय में निगरानी की व्यवस्था विकसित की जाए, ताकि डेटा संग्रह के दौरान ही असामान्य प्रविष्टियों, दोहराव और संभावित त्रुटियों की पहचान हो सके। तीसरा, स्वतंत्र सत्यापन और नमूना आधारित पुनः जाँच की व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे आँकड़ों की गुणवत्ता का निष्पक्ष मूल्यांकन किया जा सके।

इसके अतिरिक्त, डिजिटल माध्यमों के साथ पारंपरिक गणना विकल्प भी उपलब्ध रहने चाहिए, ताकि तकनीकी सुविधाओं से वंचित क्षेत्रों की आबादी छूटने न पाए। प्रवासी श्रमिकों, बेघर नागरिकों, घुमंतू समुदायों और दूरस्थ बस्तियों तक पहुँचने के लिए विशेष रणनीति बनाई जानी चाहिए। जनगणना के उद्देश्य, प्रक्रिया और गोपनीयता संबंधी प्रावधानों के बारे में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाना भी जरूरी है। नागरिकों को यह समझाना होगा कि सही जानकारी देना उनके अपने अधिकारों और बेहतर सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ा हुआ है।

अंततः, जनगणना की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितने लोगों की गणना हुई, बल्कि इससे तय होनी चाहिए कि प्राप्त आँकड़े देश की वास्तविक सामाजिक तस्वीर को कितनी ईमानदारी से प्रस्तुत करते हैं। विश्वसनीय आँकड़े सरकार को सही निर्णय लेने में सक्षम बनाते हैं, जबकि गलत आँकड़े अच्छी नीतियों को भी गलत दिशा में ले जा सकते हैं। भारत की जनगणना 2027 को केवल एक प्रशासनिक अभ्यास के बजाय लोकतांत्रिक जवाबदेही, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। आखिरकार, जिस देश की सरकार अपने नागरिकों की वास्तविक संख्या, आवश्यकताओं और परिस्थितियों को सही ढंग से समझती है, वही देश विकास की यात्रा में किसी को पीछे छोड़ने से बच सकता है। सही जनगणना ही सही नीति, न्यायपूर्ण वितरण और मजबूत लोकतंत्र की पहली शर्त है।

पहले हिस्सेदारी की लड़ाई, फिर भाजपा से मुकाबला



—अजय कुमार—



उत्तर प्रदेश में 2027 की सत्ता की लड़ाई से पहले विपक्ष में सीटों का संग्राम छिड़ गया है। भाजपा को चुनौती देने से पहले तय हो रहा है कि गठबंधन में किसकी हैसियत कितनी है। कांग्रेस ने 403 विधानसभा सीटों में से 181 पर दावा ठोककर सपा के सामने चुनौती रख दी है। सपा सांसद राजीव राय ने मांग को अव्यावहारिक बताया और कहा कि सीट नहीं, जीत महत्वपूर्ण है। इमरान मसूद सभी 403 सीटों पर तैयारी का दावा कर रहे हैं। दल आपस में भरोसा क्यों नहीं बना पा रहे? कांग्रेस की 181 सीटों की मांग प्रदेश में खोई जमीन पाने की महत्वाकांक्षा है। रायबरेली और अमेठी के साथ लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ और सहारनपुर पर दावा बताता है कि पार्टी पुराने गढ़ों से आगे बढ़ना चाहती है। लेकिन सूची से संगठन खड़ा नहीं होता। कांग्रेस बताए कि कितने जिलों में सक्रिय ढांचा, कितने बूथों पर कार्यकर्ता और कितने जीतने योग्य उम्मीदवार हैं। गांधी परिवार की पहचान हर सीट पर वोट नहीं बनती। 181 का आंकड़ा अंतिम मांग है या बातचीत की शुरुआत, स्पष्ट नहीं है। संभव है कांग्रेस ऊंचा दावा रखकर सम्मानजनक हिस्सेदारी चाहती हो या 2027 को संगठन विस्तार का अवसर मानती हो। उसे बताना चाहिए कि कहां प्रदर्शन मजबूत रहा। महत्वाकांक्षा बोझ बन जाती है। खरगे के आवास पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, आराधना मिश्रा और इमरान मसूद की बैठक बताती है कि कांग्रेस गंभीर है। खरगे ने सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के अधिकारों को मुद्दा बताया। असली कसौटी सीटों पर सहमति और संगठन की तैयारी होगी। राहुल और प्रियंका उत्साह जगा सकते हैं, मगर चुनाव बूथ के कार्यकर्ता और स्वीकार्य उम्मीदवार से जीता जाता है।

राजीव राय का बयान साफ करता है कि सपा कांग्रेस को जीतने की क्षमता के आधार पर सीटें देना चाहती है। तर्क व्यावहारिक है, पर सपा अपनी सुविधा को गठबंधन का नियम नहीं बना सकती। अखिलेश 2024 के बाद विपक्ष के मजबूत क्षेत्रीय चेहरे हैं। नेतृत्व का अर्थ सहयोगियों को छोटा दिखाना नहीं। कम सीटें मिलीं तो कांग्रेस उपेक्षा कहेगीय ज्यादा मिलीं तो सपा के दावेदारों और छोटे सहयोगियों में असंतोष होगा। अखिलेश को गठबंधन की जरूरत समझनी होगी। इमरान मसूद कहते हैं कि कांग्रेस सभी 403 सीटों पर तैयारी कर रही है, लेकिन सीटों से ज्यादा जीत महत्वपूर्ण है। यह दबाव या संगठन सक्रिय करने का संदेश हो सकता है। अखिलेश के मुख्यमंत्री बनने पर आपत्ति न होने की बात गठबंधन का दरवाजा खुला रखती है। लक्ष्य साझा जीत है तो हर सीट पर तैयारी का दावा किसलिए? तैयारी करना अधिकार है, पर उसे ताकत बताकर हिस्सेदारी मांगना अलग बात है। आंकड़े बहस को जमीन देते हैं। 2022 में कांग्रेस 399 सीटों पर लड़ी, केवल दो जीती और उसे 2.33 प्रतिशत वोट मिले। सपा ने 347 सीटों पर लड़कर 111 सीटें और 32.06 प्रतिशत वोट पाए। 2017 में कांग्रेस 114 सीटों पर लड़कर सात जीती, जबकि सपा 311 पर लड़कर 47 पर सिमटी। भाजपा ने 39.67 प्रतिशत वोट के साथ 312 सीटें जीतीं। ये नतीजे कांग्रेस की कमजोरी और सपा की ताकत दिखाते हैं। पुराने नतीजे आज का अंतिम फैसला नहीं। कांग्रेस के पक्ष में 2024 का लोकसभा परिणाम है। उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में सपा ने 37 और कांग्रेस ने छह जीतीं। सपा को 33.60 प्रतिशत और कांग्रेस को 9.46 प्रतिशत वोट मिले। दोनों ने भाजपा को 33 सीटों पर रोका। यह कांग्रेस की वापसी का संकेत है। मगर लोकसभा का मत प्रतिशत विधानसभा की 181 सीटों पर सीधे लागू नहीं हो सकता। स्थानीय उम्मीदवार, मुद्दे, जातीय समीकरण और बूथ प्रबंधन नतीजा तय करते हैं। छह लोकसभा सीटों की जीत 181 विधानसभा सीटों का अधिकारपत्र नहीं।

अखिलेश के सामने पीडीए की राजनीति को गठबंधन के साथ साधने की चुनौती है। पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक मतदाता सपा की रणनीति के केंद्र में हैं। कांग्रेस भी सामाजिक न्याय की बात करती है। कई सीटों पर दोनों एक ही सामाजिक आधार के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। टिकट जातीय गणित या नेताओं की पसंद से तय हुए तो कार्यकर्ता दूसरे दल के उम्मीदवार को अपना नहीं मानेंगे। असली परीक्षा साझा उम्मीदवार के लिए साझा मेहनत है। छोटे सहयोगियों को भूलना राजनीतिक भूल होगी। सपा—कांग्रेस 181 सीटों के दावे में उलझीं तो अन्य दलों के लिए जगह कहां बचेगी? क्षेत्रीय या सामाजिक प्रभाव रखने वाले सहयोगियों को भूमिका देनी होगी। वरना असंतोष, बगावत और दोस्ताना मुकाबले विपक्षी वोट बांट देंगे। सीटों के साथ प्रचार, संसाधन और कार्यकर्ता साझा करने की योजना जरूरी है। भाजपा को इस खींचतान से लाभ मिल सकता है। वह विपक्ष को कुर्सी और हिस्सेदारी के लिए लड़ता दिखाएगी। बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आय, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेपर लीक और कानून—व्यवस्था पर सरकार को घेरने के बजाय विपक्ष सीटों में उलझा दिखाई देगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से पूर्वांचल तक अविश्वास नुकसान पहुंचा सकता है। भाजपा के पास सत्ता, संगठन, संसाधन और योगी आदित्यनाथ का चेहरा है। विपक्ष को रोजगार, खेती, शिक्षा और स्वास्थ्य पर ठोस और विश्वसनीय कार्यक्रम देना होगा। सत्ता विरोधी नाराजगी अकेले जनादेश नहीं बनती। हर सीट का फैसला पिछले विधानसभा नतीजों, 2024 के क्षेत्रवार मतों, उम्मीदवार की स्वीकार्यता, बूथ संगठन, सामाजिक समीकरण और जीत के अंतर से होना चाहिए। जहां कांग्रेस मजबूत है, उसे सीट मिलेय जहां सपा की पकड़ है, दावा उसका भी हो। कमजोर सीटों पर प्रतिष्ठा के लिए उम्मीदवार थोपना नुकसानदेह होगा। कांग्रेस 181 को अंतिम शर्त न बनाए और सपा सहयोगी को अपमानित न करे। सम्मान का अर्थ हर मांग मानना नहीं, बड़ी पार्टी होने का अर्थ आदेश देना भी नहीं। कांग्रेस साबित करे कि वह संगठन और उम्मीदवार तैयार करने के लिए गंभीर है, केवल बड़ी सूची से मौजूदगी का विज्ञापन नहीं चाहती। सपा दिखाए कि वह गठबंधन का नेतृत्व कर सकती है और सहयोगियों को साथ रख सकती है। 2024 ने दोनों को अवसर दियाय 2027 में उसे दोहराने के लिए अहंकार नहीं, भरोसा चाहिए। जनता को विकल्प चाहिए। यदि विपक्ष अपनी हैसियत और हिस्सेदारी तय नहीं कर पाया, तो जनता उससे प्रदेश चलाने का भरोसा कैसे करेगी? भाजपा को हराने से पहले विपक्ष को अपनी जिद हरानी होगी।

मठाधीशों को अपराध से अभयदान नहीं

—डा. सुधीर कुमार—



अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता देता है, लेकिन यह लोक व्यवस्था और सदाचार के अधीन है। किसी धार्मिक गुरु द्वारा यौन उत्पीड़न करना न केवल इस सीमा का उल्लंघन है, बल्कि पीड़िता के अनुच्छेद 21 (गरिमापूर्ण जीवन) के अधिकार का भी हनन है। भारतीय संस्कृति में 'संत' या 'गुरु' शब्द त्याग, वैराग्य, करुणा और आत्मिक शुचिता का प्रतीक रहा है। विगत कुछ दशकों से इस पावन आंगन में एक ऐसा वर्ग पनप रहा है, जिसने वैराग्य के स्थान पर वैभव और साधना के स्थान पर साम्राज्यवाद को अपना लिया है। हाल ही में उज्जैन के एक स्वामी महाराज पर एक महिला द्वारा गंभीर आरोपों में प्राथमिकी दर्ज होने तथा केंद्रीय संस्था द्वारा उन्हें महामंडलेश्वर पद से निष्कासित किए जाने की घटना ने समाज को विचलित किया।

आज के तथाकथित बाबाओं द्वारा खड़ा किया गया विशाल तामझाम, आलीशान आश्रम, लग्जरी गाड़ियां और निजी सुरक्षा गार्ड्स का लवाजमा भारतीय अध्यात्म के मूल सिद्धांत 'अपरिग्रह' का सीधा उल्लंघन है। आखिर शिक्षित लोग भी इन मठाधीशों व स्वयंभू बाबाओं के मायाजाल में कैसे फंस जाते हैं? मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से देखें तो 'भक्तों' को मूर्ख बनाने की कला' मुख्य रूप से मानवीय भय, असुरक्षा, दुःख और चमत्कार की लालसा पर टिकी होती है।

ये स्वयंभू गुरु स्वयं को ईश्वर का प्रतिनिधि घोषित कर पीआर तंत्र के माध्यम से एक आभासी आभामंडल तैयार करते हैं। फिर संकटग्रस्त व्यक्तियों का भावनात्मक व आर्थिक शोषण करते हैं। सच्ची भक्ति को निर्भय और विवेकशील बनाती है, जबकि पाखंडी गुरुओं द्वारा परोसा गया अंधविश्वास व्यक्ति की तर्कशक्ति को समाप्त कर उसे मानसिक गुलाम बना देता है।

भारतीय संविधान और कानून में धर्म की आड़ में अपराध की कोई छूट नहीं है। अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता देता है, लेकिन यह लोक व्यवस्था और सदाचार के अधीन है। किसी धार्मिक गुरु द्वारा यौन उत्पीड़न करना न केवल इस सीमा का उल्लंघन है, बल्कि पीड़िता के अनुच्छेद 21 (गरिमापूर्ण जीवन) के अधिकार का भी हनन है। इसके अतिरिक्त, भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2) के तहत आश्रम या ट्रस्ट के पद का दुरुपयोग कर दुष्कर्म करना 'गुरुतर अपराध' है, जिसमें न्यूनतम 10 वर्ष से आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है।

भारतीय न्यायपालिका ने भी स्पष्ट किया है कि आध्यात्मिक पद अपराधियों के लिए ढाल नहीं बन सकता। आसाराम बापू और गुरमीत राम रहीम मामलों में अदालतों ने रेखांकित किया कि जब समाज का एक बड़ा वर्ग किसी व्यक्ति को 'गुरु' मानकर अटूट विश्वास करता है तो उसका नैतिक और कानूनी दायित्व और बढ़ जाता हैय ऐसे पद का दुरुपयोग कर समाज के साथ विश्वासघात है। इसके अतिरिक्त, शिरूर मठ केस (1954) में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि धर्म का 'अनिवार्य हिस्सा' क्या है, इसका निर्धारण न्यायालय करेगा, और कोई भी अनैतिक या आपराधिक कृत्य धर्म का हिस्सा नहीं हो सकता।

विश्व के अन्य लोकतांत्रिक देशों में भी धार्मिक गुरुओं और पंथों द्वारा किए जाने वाले अपराधों के विरुद्ध कठोर कानून हैं। भारत के संदर्भ में यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या तथाकथित संतों पर लगाम कसने के लिए किसी विशेष कानून की आवश्यकता है? वर्तमान में महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में 'अंधश्रद्धा निर्मूलन कानून' लागू हैं, परंतु राष्ट्रीय स्तर पर आश्रमों के नियमन हेतु कोई समग्र केंद्रीय कानून नहीं है। भारतीय न्याय संहिता में दुष्कर्म के खिलाफ पर्याप्त प्रावधान हैं, किंतु 'मानसिक शोषण' और धार्मिक ट्रस्टों की बेनामी संपत्ति के ऑडिट के लिए एक विशेष धार्मिक संस्था एवं आश्रम विनियमन अधिनियम' बनाने की नितांत आवश्यकता है। ऐसा कानून फर्जी बाबाओं पर अंकुश लगाएगा।

एक महत्वपूर्ण पहलू 'आध्यात्मिक कदाचार' और 'संस्थागत उत्तरदायित्व' का भी है। जिस प्रकार लापरवाही पर डॉक्टर का लाइसेंस रद्द होता है, उसी तरह कोई महत्वपूर्ण उपाधि देने से पहले व्यक्ति की पृष्ठभूमि जांचना अखाड़ों का दायित्व होना चाहिए।

कथा के विरोध पर धीरेंद्र शास्त्री बोले–पहले राक्षस यज्ञ में हड्डियां डालते थे, अब पोस्ट डाल रहे



संवाददाता–गोण्डा। गोंडा पहुंचे बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर ध धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कथा और सनातन के विरोध पर कहा कि हले जब भी यज्ञ हुआ करता था, तो राक्षस–दैत्य हड्डियां डाल देते थे, वर्तमान में वो पोस्ट डालते हैं।

बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कथा और सनातन के विरोध अपनी बात रखी है। सनातन के विरोध पर बोलते हुए बागेश्वर ध ाम के बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सनातन का आदिकाल से विरोध होता आया है। पहले जब भी यज्ञ हुआ करता था, तो राक्षस–दैत्य हड्डियां डाल देते थे, वर्तमान में वो पोस्ट डालते हैं,बस इतना अंतर हैं। दरअसल, प्रतापगढ़ के कुंडा में भी बागेश्वर धाम धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तीन दिवसीय कथा का आयोजन चल रहा है। उसी कथा से समय निकालकर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री गोंडा पहुंचे और कथा में शामिल होकर वापस रवाना हो गए।

उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के इटियाथोक क्षेत्र के जयप्रभा ग्राम में मंगलवार को आध्यात्म और सनातन की गूंज सुनाई दी। राजन जी महाराज राम कथा सुनाएंगे। 9 दिवसीय रामकथा में शामिल होने के लिए धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और गुरु बाबा रामदेव गोंडा पहुंचे। उनके साथ अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविन्द्र पुरी भी मौजूद रहे।

योग गुरु बाबा रामदेव सबसे पहले जयप्रभा ग्राम में महंत आलोक दास के आवास पर पहुंचे जहां रामदेव का भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की। पत्रकारों से बातचीत में बाबा रामदेव ने कहा कि ये सनातन का युग है। राम और कृष्ण की कथा होना गौरव की बात है। गोंडा में हो रही रामकथा में आज से राजन महाराज की कथा शुरु होगी। उन्होंने कहा कि देश को आपस की लूट और देश विरोधियों की फूट से बचाना है। आपस की लूट और फूट से बचकर ही हम एक अच्छा देश बना पाएंगे। सनातन से ही बेहतर राष्ट्र बनेगा। बाबा रामदेव ने बताया कि 9 दिन तक चलने वाली इस कथा में देश भर से संत–महात्मा आएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कथा में शामिल होंगे।

कथा और सनातन के विरोध पर पूछे गए सवाल पर योग गुरु ने कहा कि हम सनातन को अपने जीवन में जीते हैं। हम अपने धर्म और अध्यात्म को जानें, यही कथा है।

उन्होंने कहा कि हम अखिलेश यादव नहीं, सनातन के प्रवक्ता हैं। हम सबको सनातन को जानना है। सनातन को जानने से ही जीवन में शांति और राष्ट्र में एकता आएगी। वहीं अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने दिया बड़ा बयान और कहा की आपस में विरोध और मत भिन्नता से ही निखार आता है। लोकतंत्र में विरोधी का होना भी जरूरी है। मजबूत विपक्ष से ही मजबूत लोकतंत्र चलता है।

धान की फसल जलने से सदमे में किसान की मौत

संवाददाता–महराजगंज। मिठौरा ब्लॉक के नंदामार और सोनवल गांव के सिवान में रविवार दोपहर अज्ञात कारणों से लगी आग में किसानों की धान की फसल जलकर राख हो गई थी। तेज हवा के चलते आग तेजी से फैल गई। ग्रामीणों के प्रयास के बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। सूचना पर पहुंची फायर सर्विस की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग बुझाई। इस घटना में फसल बर्बाद होने से प्रभावित किसान सोनवल निवासी मंत्री गुप्ता की रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीपुर ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार फसल जलने से वे सदमे में आ गए थे। बताया जाता है कि मंत्री गुप्ता की करीब एक एकड़ नौ डिसमिल खेत में लगी धान की फसल आग की चपेट में आकर नष्ट हो गई थी। फसल बर्बाद होने से वह काफी सदमे में थे। रात उनकी तबीयत बिगड़ गई। उनकी इकलौती बेटी जोखनी देवी उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गईं, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

गो तस्करी के आरोपी से पुलिस की मुठभेड़, पैर में गोली लगने से घायल, साथी फरार

संवाददाता–देवरिया। भलुअनी थाना क्षेत्र के बेलडाड रोड पर पुलिस और गो तस्करी के आरोपी के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, घेराबंदी के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लग गई। पुलिस ने घायल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। पुलिस विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि भलुअनी थाने में दर्ज गो तस्करी की एफआईआर में बिहार के गोपालगंज जिले के विजयीपुर थाना क्षेत्र के जगवलिया निवासी 20 वर्षीय हेमराज यादव वांछित था। सोमवार को सूचना मिली कि वह सुरौली थाना क्षेत्र के वेदाचक शीतलपुरी निवासी जैसराज यादव के साथ मोटरसाइकिल से पकड़ी बाजार से नकदह फुलवरिया होते हुए बेलडाड रोड की ओर जा रहा है। सूचना पर भलुअनी थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में



पुलिस टीम ने घेराबंदी की। पुलिस का दावा है कि इसी दौरान एक आरोपी ने जान से मारने की नीयत से पुलिसकर्मियों पर गोली चला दी। जवाबी फायरिंग में हेमराज के बाएं पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे पकड़ लिया, जबकि जैसराज फरार हो गया। पुलिस ने मौके से एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, अवैध तमंचा, कारतूस और 315 बोर का कारतूस का खोखा बरामद किया। हेमराज के खिलाफ भटनी और भलुअनी थानों में पहले से गो तस्करी समेत अन्य आरोपों में प्राथमिकी दर्ज हैं। पुलिस टीम पर फायरिंग और अवैध हथियार रखने के आरोप में भलुअनी थाने में एक और प्राथमिकी दर्ज की गई है।

गो तस्करी के मामले में वांछित हेमराज यादव को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया है। जवाबी फायरिंग में उसके बाएं पैर में गोली लगी है। घायल आरोपी का मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। – सुनील कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी, देवरिया

गोपाष्टमी पर मणिरामदास छावनी में हुआ गोमाता का पूजन, राष्ट्र की सुख–समृद्धि की कामना

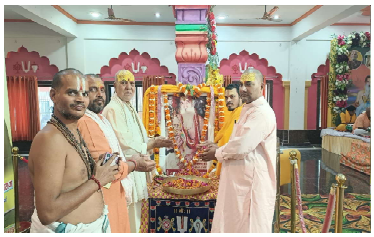


महंत कमलनयन दास के संयोजन में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ पूजन-अर्चन, गोमाता को अर्पित किए वस्त्र और पुष्प

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामनगरी के मणिरामदास छावनी स्थित गोशाला में गोपाष्टमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास महाराज के संयोजन में गोमाता का विधिवत पूजन–अर्चन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संतों ने गोमाता के समक्ष शीश नवाकर उनके आशीर्वाद से अयोध्या सहित संपूर्ण राष्ट्र की सुख–समृद्धि, उन्नति और विश्व कल्याण की कामना की।कार्यक्रम में पंचमुखी हनुमान मंदिर के महंत विमल कृष्ण दास एवं विश्व हिंदू परिषद के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने महंत कमलनयन दास महाराज के आशीर्वचन के साथ गोमाता का पूजन किया। विधि–विधान से मंत्रोच्चार के बीच पूजन–अर्चन के उपरांत गोमाता को मिष्ठान खिलाया गया। उन्हें वस्त्र एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धा निवेदित की गई। महंत कमलनयन दास महाराज ने कहा कि गोमाता भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की आधारशिला हैं। उनकी सेवा और संरक्षण हमारी ध ार्मिक एवं सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। गोपाष्टमी के पावन अवसर पर पूजन का उद्देश्य गोमाता का आशीर्वाद अर्जित या ही नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र पर बना रहे और देश निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर हो, यही मंगलकामना है।महंत विमल कृष्ण दास ने कहा कि गोमाता समस्त जीव–जगत के लिए पूजनीय हैं। भारतीय संस्कृति में उन्हें माता का स्थान दिया गया है। उनकी सेवा, संरक्षण और संवर्धन प्रत्येक सनातनी का कर्तव्य है। गोसेवा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानवता और करुणा का भी प्रतीक है।वहीं शरद शर्मा ने कहा कि गोमाता के प्रति श्रद्धा और सेवा सनातन संस्कृति की चिरंतन परंपरा है। गोसेवा के माध्यम से समाज में सेवा, समर्पण और संवेदना के संस्कार पुष्ट होते हैं। गोपाष्टमी के अवसर पर मणिरामदास छावनी में आयोजित पूजन के माध्यम से राष्ट्र की उन्नति, जनकल्याण और संपूर्ण विश्व में शांति एवं सद्भाव की कामना की गई।

श्री अयोध्यानाथ मंदिर के संस्थापक स्वामी संतगोपालाचार्य को संतों ने दी श्रद्धांजलि



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री अयोध्यानाथ मंदिर के संस्थापक स्वामी संतगोपालाचार्य महाराज की 15वीं पुण्यतिथि पर मंदिर परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मंदिर के वर्तमान महंत स्वामी भरत प्रपन्नाचार्य महाराज के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में रामनगरी के संत–महंतों ने स्वामी संतगोपालाचार्य महाराज को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके धार्मिक, आध्यात्मिक और सेवा कार्यों का स्मरण किया गया।संतों ने कहा कि स्वामी संतगोपालाचार्य महाराज ने श्री अयोध्यानाथ मंदिर की स्थापना कर भक्ति और सेवा की ऐसी परंपरा विकसित की, जिसमें संत सेवा, गौ सेवा और मानव सेवा को विशेष महत्व दिया गया। उनके बताए मार्ग पर चलते हुए उनके शिष्य स्वामी भरत प्रपन्नाचार्य महाराज मंदिर की परंपराओं को आगे बढ़ा रहे हैं। स्वामी भरत प्रपन्नाचार्य महाराज ने कहा कि गुरुदेव भगवान का संपूर्ण जीवन ठाकुरजी की भक्ति और सेवा को समर्पित था। उनका मानना था कि ठाकुरजी की आराधना के साथ संत सेवा, गौ सेवा और नर सेवा ही मनुष्य को मोक्ष के मार्ग की ओर ले जाती है। गुरुदेव अपने उपदेशों में भी सेवा को सर्वोपरि बताते थे। उन्हीं की प्रेरणा से मंदिर परिसर में निरंतर सेवा के कार्य संचालित हो रहे हैं। यह सब ठाकुरजी, हनुमानजी महाराज और गुरुदेव के आशीर्वाद से संभव हो रहा है।कार्यक्रम में स्वामी संतगोपालाचार्य महाराज के शिष्य पुष्कल आचारी ने अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश कुमार दास, जगद्गुरु रामानुजाचार्य डॉ. स्वामी राघवाचार्य, जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी सूर्यनारायणाचार्य, जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, परमहंस आश्रम के उत्तराधिकारी महंत गोविंद दास, बैकुंठ धाम आश्रम के महंत जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्याम नारायणाचार्य, आचार्य धर्मेंद्र महाराज, महंत माधवाचार्य, महंत राममिलन दास, महंत रामकुमार दास और महंत अयोध्यादास सहित सैकड़ों संत–महंत मौजूद रहे। सभी ने स्वामी संतगोपालाचार्य महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

झालर उतारते समय 11 हजार वोल्ट के तार की चपेट में आए पति–पत्नी, दोनों की मौत, बेटी गंभीर

संवाददाता–महराजगंज। मंगलवार को करंट लगने से पति–पत्नी की मौत हो गई, जबकि उनकी बेटी गंभीर रूप से झुलस गई। तीनों घर की छत पर दिवाली की सजावट में लगी झालर उतार रहे थे। इसी दौरान पति हाईटेंशन बिजली के तार की चपेट में आ गए। उन्हें बचाने पहुंची पत्नी और बेटी भी

ग्रामीणों ने बिजली बंद कराकर तीनों को सीएचसी निचलौल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने पति–पत्नी को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से झुलसी बेटी को प्राथमिक इलाज के बाद बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर कोठीमार थाना क्षेत्र की है। महराजगंज के कैमा गांव निवासी रामधारे (40) पत्नी पुष्पा (38) बेटी गोल्डी (16) 12 साल के बेटे के साथ रहते थे। वह खाना पकाने का काम करते थे। बेटी इंटर की और बेटा 8वीं की पढ़ाई कर रहा है।



मंगलवार को अपने घर की छत पर दिवाली पर लगाई गई बिजली की झालर और डेकोरेशन लाइट उतार रहे थे। इसी दौरान छत के पास से गुजर रहे हाईटेंशन तार की चपेट में आ गए। करंट लगने से वह चिल्लाने लगे और बेहोश हो गए। पति को करंट से तड़पता देख उनकी पत्नी पुष्पा (38) उन्हें बचाने के लिए दौड़ीं। उन्होंने पति को खींचने का प्रयास किया, लेकिन वह भी बिजली के करंट की चपेट में आ गईं। इसके बाद 16 साल की बेटी गोल्डी भी माता–पिता को बचाने पहुंची। वह भी गंभीर रूप से झुलस गई। तीनों मौके पर ही बेहोश हो गए। घटना की सूचना पर कोठीमार थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष अखिलेश वर्मा ने बताया कि दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे में पति–पत्नी की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। गांव के लोग पीड़ित परिजनों को ढांढस बंधा रहे हैं।

बकाया मानदेय के लिए शिक्षा प्रेरकों का प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। बकाया मानदेय नहीं मिलने से नाराज शिक्षा प्रेरकों ने मंगलवार दोपहर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश शिक्षा प्रेरक संघ के बैनर तले पहुंचे प्रेरकों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मई 2026 में हुए सत्यापन के आधार पर भुगतान कराने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि शिक्षा प्रेरक साक्षर भारत कार्यक्रम के तहत 11 जून 2011 से 31 मार्च 2018 तक काम करते रहे। उन्हें हर महीने दो हजार रुपए मानदेय मिलता था। कार्यक्रम स्थगित होने के बाद उनका पूरा मानदेय नहीं दिया गया। प्रेरकों के मुताबिक, प्रदेश सरकार ने अनुपूरक बजट के जरिए बकाया मानदेय के भुगतान के लिए राशि मंजूर की है। इसके बाद निदेशक, साक्षरता, वैकल्पिक शिक्षा, उर्दू एवं प्राच्य भाषाएं, उत्तर प्रदेश की ओर से भुगतान के संबंध में पत्र जारी किया गया। संघ के सदस्यों ने बताया कि 27 मार्च 2026 को पत्रांक संख्या 16232–364 के जरिए शिक्षा प्रेरकों का सत्यापन कराया गया था। कुछ प्रेरकों का सत्यापन बाकी था, जबकि अन्य का पूरा हो चुका था। उन्होंने जिन शिक्षा प्रेरकों की मृत्यु हो चुकी है, उनके परिवार के सदस्यों को भी बकाया मानदेय देने की मांग की।

मछुआ समाज के हक की लड़ाई लखनऊ तक ले जाएगी निषाद पार्टी –डॉ. संजय

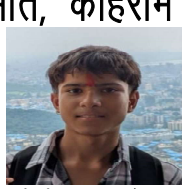


संवाददाता–महराजगंज। धनेवा धनई स्थित निरीक्षण भवन समागार में मंगलवार को निषाद पार्टी की जिला कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक के मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष/प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री (मत्स्य विभाग) डॉ. संजय कुमार निषाद रहे। बुधवार को फरेंदा में होने वाले संवैधानिक सुरक्षा अधिकार महासम्मेलन एवं पदयात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मछुआ समाज के संवैधानिक अधिकारों व सामाजिक न्याय की लड़ाई को प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक पहुंचाया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. निषाद ने कहा कि फरेंदा में निषादराज की प्रतिमा का शिलान्यास करने के बाद पदयात्रा निकाली जाएगी। महासम्मेलन के माध्यम से केवट, मल्लाह व माझवार जातियों को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने समेत मछुआ समाज के संवैधानिक अधिकारों, आरक्षण व सामाजिक सुरक्षा का मुद्दा उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज की वर्षों पुरानी मांगों को लेकर पार्टी का संघर्ष जारी है। मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होने पर समाज अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने के लिए तैयार है बैठक में नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि संगठन की असली ताकत समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को सम्मान दें और उन्हें साथ लेकर गांव, गली व बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करें। उन्होंने कहा कि 18 नवंबर दिन बुधवार को महासम्मेलन नई जिला कार्यकारिणी की पहली बड़ी परीक्षा है। इसकी सफलता के लिए सभी पदाधिकारी आपसी समन्वय व एकजुटता के साथ जिम्मेदारी निभाएं।

अनियंत्रित बाइक से गिरकर किशोर की मौत, कोहराम

संवाददाता–महराजगंज। पुरंदरपुर क्षेत्र के समरधीरा चौराहे पर मंगलवार की दोपहर एक हादसा हो गया। अनियंत्रित होकर बाइक से गिरकर एक युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया हो गया। आनन–फानन में पुलिस उसे इलाज के लिए लक्ष्मीपुर सीएचसी पर पहुंचाई, लेकिन तब तक वह दम तोड़ चुका था। सीएचसी पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सिद्धार्थनगर के थाना मोहाना अंतर्गत ग्राम सभा रेहरवा निवासी स्व. राकेश वर्मा का 16 वर्षीय पुत्र संजीत वर्मा ऊर्फ मकाऊ छठ के त्यौहार मनाने अपनी मां के साथ अपने मौसा शम्भू वर्मा के घर बसंतपुर आया था। मंगलवार को दोपहर बाइक से वह समरधीरा जा रहा था।

इसी दौरान चौराहे से 100 मीटर पहले वह बाइक से अनियंत्रित होकर गिर गया, जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सीएचसी पहुंचाया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो



चुकी थी। थानाध्यक्ष गौरव राय कन्नौजिया ने बताया कि बाइक से गिरने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंच घायल को स्वास्थ्य केन्द्र लक्ष्मीपुर भेजा गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये महराजगंज भेजा गया है।

मृतक संजीत के पिता की मौत मुम्बई में पांच वर्ष पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में हो गई थी। संजीत अपने भाई कमलेश वर्मा, संदीप वर्मा, मंदीप वर्मा से छोटा था और सबका दुलारा था। परिवार के लोग नेपाल में किराये के मकान में रहकर काम करते थे। बताया जा रहा है कि संजीत नेपाल में ही पढ़ाई करता था।

गोपाष्टमी पर्व पर हुआ गौपूजन जलाए गए श्रद्धा के दीप



संवाददाता–महराजगंज। सिसवा नगर पालिका क्षेत्र के गांधी नगर वार्ड स्थित श्रीकृष्णा गौशाला में मंगलवार को गोपाष्टमी पर्व मनाया गया। इस अवसर पर महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने गौ पूजन कर उनके पास धूप–दीप जलाकर गौमाता की आरती की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री एवं गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष अतुल सिंह की मौजूदगी में श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गौमाता की महाआरती की। इस दौरान श्रीकृष्ण गौशाला परिसर श्रीकृष्ण और गौमाता के जयकारों से गूंज उठा। पर्व के अवसर पर सुबह से ही गौशाला को पुष्प गुच्छों एवं मालाओं से सजाया गया। इसके बाद नगर के श्रद्धालुओं के महामंत्री आशुतोष भालोटिया ने बताया कि गाय में तैंतीस करोड़ देवी–देवताओं का वास माना जाता है। उन्होंने कहा कि गोपाष्टमी पर गौ सेवा करने से परिवार में सुख–शांति, स्वास्थ्य लाभ और दीर्घायु की प्राप्ति होती है। कार्यक्रम एवं गौपूजन के दौरान श्रीरामजानकी मंदिर के महंथ शिवनारायण दास महाराज, पूर्व मंत्री शिवेन्द्र सिंह, मोहन सिंह, भजन गायक अमित अंजन, राजन विश्वकर्मा, जितेंद्र वर्मा, प्रमोद मद्धेशिया, धर्मनाथ खरवार, सोनू जायसवाल, एडवोकेट डीके सिंह, कृष्ण मुरारी सिंह, एडवोकेट पंकज सिंह सहित नगर के तमाम लोगग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बाबूलाल अग्रवाल, शिव अग्रवाल, आशुतोष भालोटिया, महेंद्र अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, विजय अग्रवाल, हरिराम भालोटिया, जयप्रकाश भालोटिया, मोहन अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, मनीष शर्मा, श्रीकृष्णा अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, रवि जायसवाल, राजन वर्मा, अशोक वर्मा, नामित भालोटिया और अंकित लाठ, मुकेश बंका आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

बुलडोजर पर सवार होकर बारात लेकर पहुंचा दूल्हा

संवाददाता–बहराइच। एक दूल्हा बुलडोजर पर सवार होकर बारात लेकर निकला। रास्ते में लोग दूल्हे को देखने के लिए जुट गए। कई लोगों ने मोबाइल से वीडियो और तस्वीरें बनाईं। रविवार को बलरामपुर में शादी की रस्म पूरी करने के बाद दूल्हा अपनी कार से दुल्हन को घर लेकर लौटा। इसका वीडियो मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे सामने आया है। मामला जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर पयागपुर थाना क्षेत्र का है। अरकापुर निवासी लल्लू के बेटे अब्दुल कलाम की शादी रविवार को थी। वह अपनी बारात को कुछ अलग अंदाज में ले जाना चाहता था, ताकि शादी लंबे समय तक यादगार बनी रहे। इसी के चलते उसने परिजनों के सामने बुलडोजर पर बारात ले जाने की इच्छा जताई। परिजनों ने पहले उसे समझाया और ऐसा करने से मना किया, लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ा रहा। आखिरकार परिवार के लोग उसकी इच्छा मान गए और बुलडोजर का इंतजाम किया। इसके बाद अब्दुल कलाम गाजे–बाजे के साथ बुलडोजर पर सवार होकर बारात लेकर बलरामपुर जिले के एकघरवा गांव स्थित अपनी ससुराल के लिए रवाना हुआ।

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी: पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने और अपात्रों के नाम हटाने की कवायद तेज

संवाददाता–बलरामपुर। मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के लिए विशेष पुनरीक्षण अभियान तेज हो गया है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मंगलवार दोपहर 12रू30 बजे निर्वाचक नामावली के आलेख्य (ड्राफ्ट वोटर लिस्ट) का विधिवत प्रकाशन किया गया। इसके बाद प्रभारी डीएम एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। डीएम ने सभी दलों को प्रकाशित मतदाता सूची की प्रतियां सौंपते हुए अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। डीएम ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए मतदाता सूची का शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित होना जरूरी है। किसी भी पात्र नागरिक का नाम सूची में छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने राजनीतिक दलों से अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को सक्रिय करने और ऐसे युवाओं सहित अन्य पात्र नागरिकों को चिह्नित करने को कहा, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। डीएम ने स्पष्ट किया कि विशेष पुनरीक्षण अभियान केवल नए मतदाताओं के नाम जोड़ने तक सीमित नहीं है। इसके तहत मतदाता सूची में दर्ज त्रुटियों को सुधारने और अपात्र व्यक्तियों के नाम हटाने की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से बीएलए के माध्यम से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की, ताकि कोई पात्र मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रहे और सूची में अनावश्यक नाम भी शामिल न रहें। डीएम ने निर्वाचन अधिकारियों और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को निर्देश दिए कि मतदाता सूची से संबंधित दावों और आपत्तियों का निस्तारण पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ निर्धारित समयसीमा में किया जाए। उन्होंने पुनरीक्षण अभियान के प्रत्येक चरण में निर्वाचन संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी, संबंधित निर्वाचन अधिकारी तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी और प्रतिनिधि मौजूद रहे। डीएम ने सभी से अभियान में सहयोग कर मतदाता सूची को अधिक से अधिक शुद्ध और अद्यतन बनाने की अपील की।

यूपी चुनाव 2027: दो दिसंबर से चुनावी अभियान शुरू करेगी कांग्रेस, पूर्वांचल की सीटों पर नजर



संवाददाता–अयोध्या। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' आगामी 2 दिसंबर को श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या से अपने चुनावी अभियान का शुभारंभ करेंगी। इसके पश्चात एक विशाल जनचौपाल का आयोजन किया जाएगा, जिसमें वह उपस्थित जनसमूह एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगी। प्रदेश अध्यक्ष के प्रस्तावित अयोध्या दौरे को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए कांग्रेस संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव अभिषेक दत्त आज फैजाबाद पहुंचे। उन्होंने कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन में फैजाबाद एवं अंबेडकर नगर जनपद के कांग्रेस पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

राष्ट्रीय सचिव अभिषेक दत्त ने बैठक की, बोले– यह संगठन के लिए महत्वपूर्ण अवसर है राष्ट्रीय सचिव अभिषेक दत्त ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' अपने चुनावी अभियान की शुरुआत अयोध्या से करने जा रही हैं। यह संगठन के लिए महत्वपूर्ण अवसर है।

उन्होंने कहा कि सभी कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं तथा जनचौपाल में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करें, जिससे कांग्रेस की विचारधारा और जनहित के मुद्दों को जन–जन तक पहुंचाया जा सके। जिला अध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' का अयोध्या में प्रथम आगमन हम सभी कांग्रेसजनों के लिए गौरव का विषय है। उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यक्रम को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ेगी। सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता पूरी एकजुटता के साथ तैयारियों में जुटे हैं। अंबेडकर नगर जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के अयोध्या आगमन को लेकर अंबेडकर नगर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है। जनपद से बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अयोध्या पहुंचकर उनका स्वागत करेंगे।

महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का अयोध्या से चुनावी अभियान शुरू करना कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करेगा। महानगर कांग्रेस कमेटी उनके भव्य स्वागत की तैयारियों में जुटी है। उन्होंने कहा कि जनचौपाल में महानगर के प्रत्येक वार्ड से कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ राष्ट्रीय तथा प्रादेशिक नेता भी सम्मिलित होंगे जिला प्रवक्ता शीतला पाठक ने बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना के साथ कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ राष्ट्रीय तथा प्रादेशिक नेता भी सम्मिलित होंगे। जिसमें राष्ट्रीय महासचिव तथा प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, राष्ट्रीय सचिव अभिषेक दत्त ,इमरान मसूद सहित कई सांसद भी सम्मिलित हो सकते हैं।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अशोक सिंह,राजेंद्र प्रताप सिंह, रामदास वर्मा, करमराज यादव, अजय सिंह कप्तान, अमित जायसवाल, मोहम्मद अनीस,उग्रसेन मिश्रा,अनिल तिवारी, रुद्र प्रताप सिंह रिशु, विजयपाल सिंह, रामकिशोर वर्मा, संतोष तिवारी, राजेंद्र प्रसाद,दिलीप गौड़,प्रशांत पांडे,अनिल सिंह, रमाशंकर तिवारी, रविंद्र कुमार, अश्वनी सिंह मधुर, रेनू राय,राम आशीष तिवारी, विकास सिंह विकी, राज प्रताप सिंह,मनोज जायसवाल, राम अवध पासी, हृदय नारायण मिश्रा, राम सागर रावत,मोहम्मद आमिर, भोला भारती, अहमद कुरेशी, दिनेश शुक्ला,महिपाल सिंह, धर्मेंद्र सिंह फास्टर, आदि उपस्थित रहे।

तीन दिन से लापता टैंपो चालक का कुआनो नदी में मिला शव

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के धनघटा थाना क्षेत्र के गोपियापुर गांव से तीन दिन पूर्व रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुए टैंपो चालक का शव मंगलवार को महुली थाना क्षेत्र के मुखलिसपुर बैराज के समीप कुआनो नदी में उतराता मिला। नदी में शव दिखाई देने की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नदी से बाहर निकलवाया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसकी पहचान धर्मेंद्र यादव (34) पुत्र स्व. अवधराज के रूप में की। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख–पुकार मच गई।

ग्राम गोपियापुर निवासी जितेंद्र यादव ने बताया कि उसका मंझला भाई धर्मेंद्र टैंपो चलाकर परिवार का भरण–पोषण करता था। छठ पूजा के दिन रविवार सुबह करीब नौ बजे वह घर से अकेले निकला था। देर शाम तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। लेकिन कहीं पता नहीं चला। सोमवार को धनघटा थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। इसी बीच मंगलवार को शौच के लिए निकले कुछ ग्रामीणों की नजर मुखलिसपुर बैराज के समीप कुआनो नदी में उतराते शव पर पड़ी। ग्रामीणों ने शोर मचाकर लोगों को इकट्ठा किया और शव को बाहर निकलवाया। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र पाठक, चौकी प्रभारी जय हिंद और कांस्टेबल तबरेज आलम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। भाई जितेंद्र ने शव की पहचान धर्मेंद्र के रूप में की। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर घटना को लेकर गांव में तरह–तरह की चर्चाएं होती रहीं।

दोहरे हत्याकांड का एक आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली



संवाददाता–संतकबीरनगर। मेंहदावल थाना क्षेत्र के जमोहरा के दोहरे हत्याकांड का एक आरोपी को पुलिस ने मंगलवार को भोर में हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। बौधरा बाबा के पास हुई मुठभेड़ के दौरान उसके दाहिने पैर में घुटने के नीचे में गोली लगी है। सीएचसी मेंहदावल पर प्राथमिक इलाज करने के बाद उसे जिला अस्पताल भेज दिया गया। यह कार्रवाई एसओजी व मेंहदावल थाने की टीम ने की।

एसओजी प्रभारी उमाशंकर तिवारी ने बताया कि जमोहरा के दोहरे हत्याकांड में 16 नामजद व कुछ अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। एसओजी व थाने की टीम के साथ पांच टीमें गिरफ्तारी के लिए लगाई गई है। गिरफ्तारी से बचने के लिए तीन अभियुक्तों ने सोमवार की शाम धनघटा थाने में आत्मसमर्पण कर दिया था। अन्य अभियुक्तों की तलाश की जा रही है। पुलिस टीम को भोर में जानकारी मिली कि एक अभियुक्त राकेश (20) पुत्र संतराम बौधरा बाबा स्थान के पास है। वह कहीं भागने के फिराक में है। सूचना पर मेंहदावल थानाध्यक्ष रामाज्ञा सिंह व एसओजी प्रभारी उमाशंकर तिवारी की अगुवाई में पुलिस टीम बौधरा बाबा स्थान के पास पहुंची। लगभग 5.40 बजे राकेश आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे पकड़ने का प्रयास किया तो वह फायरिंग कर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें राकेश यादव के दाहिने पैर में गोली लग गई।

इसके बाद पुलिस टीम ने घायल आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया और उपचार के लिए सीएचसी मेंहदावल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी है। सूचना पर पहुंचे एसपी ने जिला अस्पताल पहुंच कर पूछताछ कर मामले की जानकारी ली।

एसओजी प्रभारी समेत 8 पुलिसकर्मियों पर गैरइरादतन हत्या का मुकदमा

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। पुलिस हिरासत में हुए युवक की मौत के मामले में एसओजी प्रभारी समेत 8 पुलिसकर्मियों पर गैरइरादतन हत्या का मुकदमा चलेगा। कोर्ट ने आरोपितों को मुकदमा विचारण के लिए तलब किया है। अंबेडकरनगर में पुलिस हिरासत में हुए युवक की मौत के मामले में एसओजी प्रभारी समेत 8 पुलिसकर्मियों पर गैरइरादतन हत्या का मुकदमा चलेगा।

उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर में पांच वर्ष पूर्व पुलिस हिरासत में हुए युवक की मौत के मामले में तत्कालीन एसओजी प्रभारी समेत आठ पुलिसकर्मियों के विरुद्ध गैरइरादतन हत्या का मुकदमा चलेगा। अकबरपुर कोतवाली पुलिस द्वारा अदालत में भेजे गए अंतिम रिपोर्ट को निरस्त करते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संदीप कुमार ने आरोपितों को मुकदमा विचारण के लिए तलब किया है। आजमगढ़ जिले के पवई थाना क्षेत्र के हाजीपुर कुदरत निवासी जियाउद्दीन की पुत्र अलाउद्दीन की 25 मार्च 2021 को पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। जियाउद्दीन के भाई शहाबुद्दीन का आरोप था कि भाई को एसओजी प्रभारी देवेन्द्र पाल सिंह एवं उनके साथ हमराही सिपाहियों ने उस समय उठा लिया था जब वह 24 मार्च को रिश्तेदारी में जा रहे थे। पुलिस द्वारा बेरहमी से की गई पिटाई का परिणाम रहा कि भाई की मौत हो गई और उनका शव जिला चिकित्सालय में रखा गया था। नामजद तहरीर पर एसओजी प्रभारी समेत अन्य के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज तो हुआ किन्तु विवेचक द्वारा फाइनल रिपोर्ट लगा दिया गया। अदालत में प्रोटेस्ट प्रार्थना पत्र में वादी के अधिवक्ता ने कहा कि जियाउद्दीन की पुलिसकर्मियों द्वारा इतनी निर्ममतापूर्वक पिटाई किया गया कि उनकी मौत हो गई इसके बाद भी विवेचक ने पुलिसकर्मियों को बचाने के लिए मामले में फाइनल रिपोर्ट लगा दिया। अपराध की गम्भीरता एवं अधिवक्ता की दलीलों को सुनने के उपरान्त सीजेएम ने पुलिस द्वारा अदालत में भेजे गए अंतिम रिपोर्ट को निरस्त करते मामले को स्टेट केस के रूप में दर्ज करने का आदेश दिया। अपराध में शामिल आरोपी तत्कालीन एसओजी प्रभारी उपनिरीक्षक देवेन्द्र पाल सिंह, कांस्टेबल बृजेश कुमार यादव व संतोष कुमार तिवारी, आरक्षी जितेन्द्र गौड़, हरिकेश कुमार, अमलेश कुमार यादव, विधान सिंह और आरक्षी शिवम चौधरी के विरुद्ध गैरइरादतन हत्या के तहत मुकदमा विचारण के लिए तलब करने का भी आदेश दिया।

गोरखपुर में 1000 पुरुषों पर बढ़ीं 6 महिला मतदाता: एसआरआई की ड्राफ्ट सूची प्रकाशित्य 7 महीने में बढ़े 34165 वोटर

संवाददाता–गोरखपुर। जिले में मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआरआई) 2027 शुरू हो चुका है। मंगलवार को इसकी ड्राफ्ट सूची प्रकाशित की गई। पिछले 7 महीनों में यानी एसआरआई की अंतिम सूची प्रकाशित होने की तिथि से अब तक जिले में 34 हजार 165 मतदाता बढ़ गए हैं। पुरुष मतदाताओं की संख्या में 12 हजार 220 का इजाफा हुआ है वहीं बढ़ी महिला मतदाताओं की संख्या 21 हजार 952 है। जेंडर रेशियो की बात करें तो यह 831 से बढ़कर 837 हो चुका है। यानी प्रति 1000 पुरुषों पर 6 महिला मतदाता बढ़ गई हैं। महिला मतदाताओं को जोड़ने के लिए लगातार चलाए गए अभियान के बाद जेंडर रेशियो में यह सुधार नजर आ रहा है।

एसआरआई के तहत 10 अप्रैल 2026 को प्रकाशित अंतिम सूची में गोरखपुर जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 32 लाख 61 हजार 138 थी। 17 नवंबर को प्रकाशित ड्राफ्ट सूची में यह संख्या बढ़कर 32 लाख 95 हजार 303 हो गई है। पहले पुरुष मतदाताओं की संख्या 17 लाख 81 हजार 95 थी, यह अब 17 लाख 93 हजार 315 हो गई है। इसी तरह महिला मतदाताओं की संख्या पहले 14 लाख 79 हजार 852 थी जो अब बढ़कर 15 लाख 1 हजार 804 हो गई है। थर्ड जेंडर के मतदाताओं की संख्या कम हुई है। पहले जहां 191 थर्ड जेंडर के मतदाता था, वहीं उनकी संख्या अब 184 रह गई है।

ड्राफ्ट सूची और 7 महीने पहले जारी अंतिम सूची के आंकड़ों की तुलना करें तो यह बात नजर आती है कि मताधिकार से वंचित रहे लोगों को भी मतदाता बनाया गया है। पहले कुल आबादी के मुकाबले जहां 59.90 प्रतिशत लोग ही मतदाता थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 60.53 हो गई है। पहली बार वोटर बनने वाले युवाओं यानी 18 से 19 साल के मतदाताओं की संख्या कम हुई है। पहले 1.30 प्रतिशत ऐसे मतदाता थे, अब 0.85 प्रतिशत ही रह गए हैं।

जिलाधिकारी दीपक मीणा ने बताया कि एसएसआर के तहत लोग मतदाता सूची में अपना नाम 16 दिसंबर तक जुड़वा सकते हैं। जो युवा 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष के हो रहे होंगे, वे भी फार्म 6 भरकर मतदाता बन सकेंगे। 17 नवंबर से 16 दिसंबर के बीच ड्राफ्ट सूची पर आपत्ति कर सकते हैं और सुझाव भी दे सकते हैं। 28 दिसंबर को दावे एवं आपत्तियों की निस्तारण किया जाएगा। 4 जनवरी 2027 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। 100 साल से अधिक उम्र के हैं 368 मतदाता जिले की मतदाता सूची में 368 ऐसे मतदाता हैं, जिनकी उम्र 100 साल से अधिक है। जबकि 64 हजार 195 ऐसे मतदाता हैं, जिन्होंने 80 साल की उम्र पूरी कर ली है। जिले में 8367 सर्विस मतदाता हैं। इनमें महिलाओं की संख्या 303 है। विशिष्ट दिव्यांग मतदाता 27 हजार 914 है। 18 से 19 साल के 27 हजार 916 मतदाता हैं।

मतदाता सूची को दुरुस्त करने के लिए 4000 बीएलओ को तैनात किया गया है। इनके माध्यम से मतदाताओं से दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी और उनका निस्तारण किया जाएगा। 4 दिन विशेष शिविर लगाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि 21, 22, 28 व 29 नवंबर को विशेष शिविर लगाए जाएंगे।

ऐसे देखें मतदाता सूची में अपना नाम जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक मीणा ने बताया कि लोग कई तरह से मतदाता सूची में अपना नाम देख सकते हैं। बूथ पर उपलब्ध ड्राफ्ट सूची से नाम देख सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि यदि किसी का नाम ड्राफ्ट सूची में नहीं है तो वे फार्म 6 भरकर जुड़वा सकते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपना नाम मतदाता सूची में जरूर चेक कर लें।

सामूहिक विवाह योजना में 108–जोड़ों ने थामा एक–दूजे का हाथ

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नौगढ़ विकासखंड के कंदवा बाजार स्थित जनता विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मंगलवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 108 जोड़ों का विवाह कराया गया। जिले में अब तक इस योजना के तहत 1,621 जोड़े विवाह बंधन में बंध चुके हैं।

समारोह में जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा और सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल समेत अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। विवाह की रस्में वर–वधू की धार्मिक परंपराओं और रीति–रिवाजों के अनुसार पूरी कराई गईं। योजना के तहत प्रत्येक पात्र जोड़े पर कुल एक हजार रुपये खर्च किए जाते हैं। इसमें 64 हजार रुपये डीबीटी के माध्यम से वधू के बैंक खाते में भेजे जाते हैं। इसके अलावा 21 हजार रुपये की गृहस्थी सामग्री दी जाती है। इसमें कपड़े, बर्तन, डिनर सेट, प्रेशर कुकर, ट्रॉली बैग और रोजमर्रा के इस्तेमाल की अन्य चीजें शामिल हैं। शेष 15 हजार रुपये समारोह, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं पर खर्च किए जाते हैं।



योजना का लाभ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और सामान्य वर्ग के पात्र गरीब परिवारों को दिया जाता है। इसके लिए कन्या की उम्र कम से कम 18 साल और वर की उम्र 21 साल होनी चाहिए। परिवार की सालाना आय तीन लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। विधवा और कानूनी रूप से तलाकशुदा महिलाओं के पुनर्विवाह को भी योजना में शामिल किया गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बेटी की शादी के लिए कई परिवारों को कर्ज लेना पड़ता है। ऐसे परिवारों के लिए सामूहिक विवाह योजना आर्थिक सहारा बन रही है। सामूहिक रूप से विवाह आयोजित होने से अनावश्यक खर्च कम होता है। साथ ही दहेज प्रथा और दिखावे के बजाय सादगीपूर्ण विवाह को बढ़ावा मिलता है। जिले में अब तक 1,621 जोड़ों का विवाह इस योजना के तहत संपन्न होना इसकी पहुंच को दर्शाता है।

डीजे संचालक की हत्या के मामले में चार गिरफ्तार



संवाददाता–अम्बेडकरनगर। राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र के विशुनपुर बनकटा गांव में डीजे संचालक पिन्टू गौतम की हत्या के मामले में पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने बाल अपचारी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त एक पुरानी ईंट भी बरामद की है, जिसका एक कोना टूटा हुआ है। राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम विशुनपुर बनकटा निवासी स्व. लालचन्द्र के पुत्र पिन्टू (30) के म्युजिक साउंड सिस्टम को बनकटा बुजुर्ग निवासी अजय साहनी पुत्र रामसेवक, विक्की साहनी पुत्र हीरालाल, लालू साहनी पुत्र कस्तुरी साहनी और श्रवण साहनी पुत्र जयराम साहनी ने छठ पर्व पर डीजे बजाने के लिए बुक किया था। बताया जाता है कि देर रात में पिन्टू ने डीजे बजाने से इनकार कर दिया। आरोप है कि इसी बात को लेकर अजय आदि ने उसके साथ मारपीट की और जातिसूचक गालियां देते हुए जान से मारने की नीयत से सिर के पिछले हिस्से में ईंट से वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से पिन्टू की मौत हो गई थी। घटना के बाद परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने हत्या समेत एससी–एसटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन में वांछित आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए गठित टीमों ने मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में बनकटा बुजुर्ग निवासी अजय साहनी (32), विक्की साहनी (33), लालू साहनी (24) और श्रवण साहनी (23) शामिल हैं। इनके साथ एक बाल अपचारी को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। उसकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल की गई पुरानी ईंट बरामद की गई है। गिरफ्तारी की कार्रवाई उपनिरीक्षक अनुज कुमार यादव और उपनिरीक्षक पवन कुमार चतुर्वेदी के नेतृत्व में गठित दो पुलिस टीमों ने की। पुलिस ने चारों आरोपितों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया। वहीं, बाल अपचारी के मामले में किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई की की गयी। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस की प्रथम टीम में उपनिरीक्षक अनुज कुमार यादव,सिपाही बृजमोहन, सत्येन्द्र यादव, शिवाजी यादव,व सुन्दर सिंह तथा द्वितीय टीम में उप निरीक्षक पवन कुमार चतुर्वेदी हेड कांस्टेबल ध्रुवराज यादव कांस्टेबल विजय बहादुर यादव शामिल रहे।

गोपाष्टमी पर गायों की हुई पूजा

संवाददाता–गोरखपुर। गोपाष्टमी के मौके पर गुरुवार को गोविंद गौशाला में गौ–सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। राधा रानी सेवा संस्थान की ओर से हुए इस कार्यक्रम में कथा व्यास मृदुलानंद शास्त्री मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस दौरान विधि–विधान से गायों की पूजा की गई। संस्थान के पदाधिकारियों और मौजूद लोगों ने गायों को तिलक लगाया और अपने हाथों से हरी सब्जियां, फल और गुड़–रोटी खिलाक खिलाकर आशीर्वाद लिया। गौ–सेवा सबसे बड़ा पुण्य का काम– मृदुलानंद शास्त्री इस मौके पर कथा व्यास मृदुलानंद शास्त्री ने कहा कि गायों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म और पुण्य का काम है। उन्होंने समाज के लोगों से अपील की कि वे सिर्फ त्योहारों पर ही नहीं, बल्कि रोजाना गायों की देखभाल और उनके चारे–पानी के लिए आगे आएं। संस्थान के अध्यक्ष त्रिभुवन कुमार वर्मा ने बताया कि संस्था समय–समय पर ऐसे धार्मिक और सामाजिक सेवा के काम करती रहती है। संस्थान के अध्यक्ष त्रिभुवन कुमार वर्मा ने बताया कि संस्था समय–समय पर ऐसे धार्मिक और सामाजिक सेवा के काम करती रहती है। संस्थान के अध्यक्ष त्रिभुवन कुमार वर्मा ने बताया कि संस्था समय–समय पर ऐसे धार्मिक और सामाजिक सेवा के काम करती रहती है। गोपाष्टमी के इस खास आयोजन में कोषाध्यक्ष कन्हैया कुमार वर्मा, सलाहकार राकेश मणि त्रिपाठी और प्रबंधक शंकर वर्मा ने अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा संजय जायसवाल, कामेश्वर वर्मा, परमेश्वर वर्मा और गोविंद वर्मा समेत शहर के कई प्रमुख लोग व गौ–सेवक मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 268/2026

1–सुषमा उम्र 24 वर्ष पत्नी सन्दीप कुमार 2. शुभि उम्र 5 वर्ष पुत्री सन्दीप कुमार 3. आरो उम्र 1 वर्ष पुत्र सन्दीप कुमार बवलायत माता हकीकी सुषमा श्रीवास्ती पत्नी सन्दीप कुमार साकिनान मौजा बसौना तप्पा थरौली परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

प्रार्थी/प्रार्थीगण

बनाम

इस्टेट

तारीख पेशी– 20.11.2026

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने पति/पत्नी मृतक सन्दीप कुमार को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि आवेदकगण ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 11 के 20 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा। 2026 के 11 के 17 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (सीण्डिण्) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–214/2026

रणंजय प्रसाद सिंह

बनाम

रिपंजय कुमार विश्वकर्मा आदि

3. जगदीश्वर प्रसाद सिंह उम्र लगभग 83 वर्ष पुत्र स्व0 ज्वाला प्रसाद सिंह 4. अदिति सिंह उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्री स्व0 धनंज्य प्रसाद सिंह निवासीगण ग्राम व पोस्ट मरवटिया तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग

5. ब्रम्हदेव यादव उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र घनश्याम निवासी ग्राम वैसियाकला तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 8. राकेश कुमार सिंह उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र श्यामनरायन सिंह 10. चन्द्र प्रकाश उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र लक्ष्मी नरायन निवासीगण ग्राम पाकरडाड़ तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण चतुर्थ वर्ग

तारीख पेशी 03–12–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

मेरे हस्ताक्षर और मुहर अदालत के आज बतारीख 13 माह 11 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जूण्डि0) एफ0ठी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–757/2009

गौरीशंकर

बनाम

राम कुमार आदि

1/1 सुरेमन 1/2 साधू सरन पुत्रगण स्व0 राम कुमार 1/3 शिवशंकर पुत्र स्व0 सुमिरन साकिनान मौजा काशीपुर तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 14–12–2026

चूंकि उपरीनामांकित वादी ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 12 के 14 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरायज इनफिसाल मुकदमा

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–T202617140207213

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी भानपुर महोदय बस्ती जिला बस्ती

अमरावती

बनाम

कान्ति देवी आदि

1. कान्ति देवी पत्नी कन्हैया प्रसाद साकिन अमरौली सुमाली तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती

2. कन्हैया प्रसाद पुत्र बाबूराम साकिन अमरौली सुमाली तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 23–11–2026

वाजेह हो कि ने ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सकें या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 13 माह 11 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया कॉम्प्लेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट

अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com

dainikbhartiyabasti@gmail.com